Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 10

सामाजिक विज्ञान

समकालीन भारत-II

अध्याय-1 : संसाधन एवं विकास

भाग - 4

भू-संसाधन

पंकज वैष्णव

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

विवरण

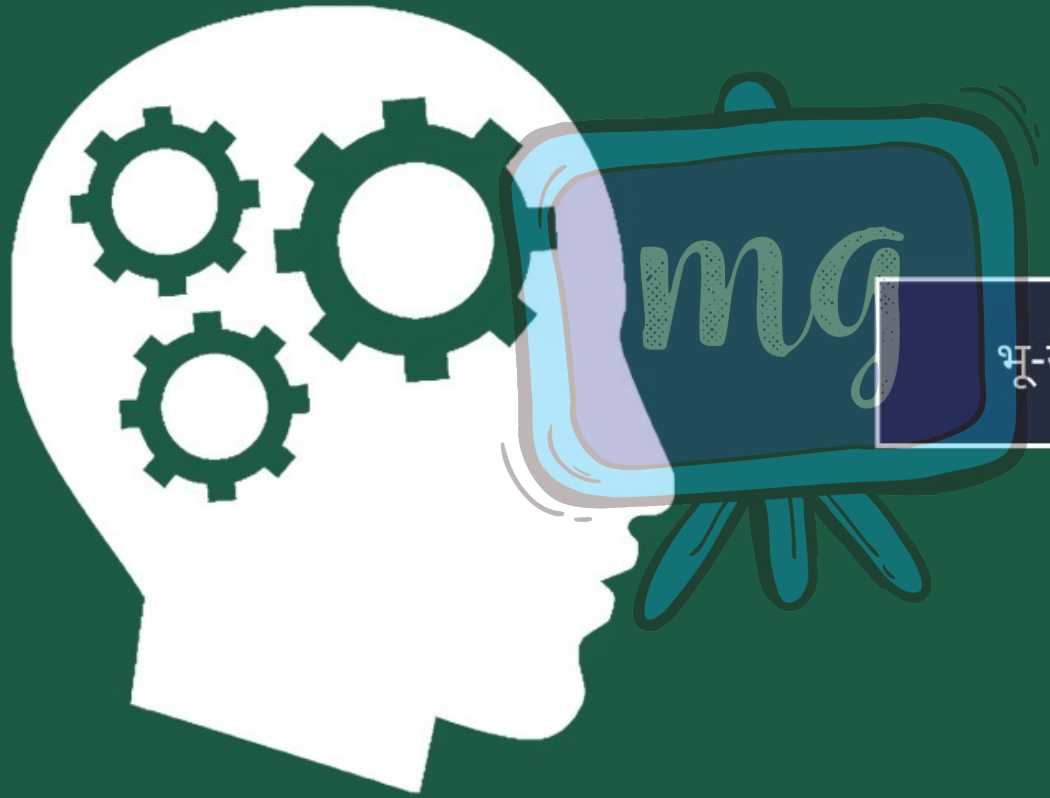


1. संसाधन
2. संसाधनों का विकास
3. संसाधन नियोजन
4. भू-संसाधन
5. मृदा संसाधन

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

कंपेटेंसी बेस्ड लर्निंग



भू-संसाधन और उनका उपयोग

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भू-संसाधन









Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भू-संसाधन

- भूमि एक बहुत महत्त्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है
- हम भूमि पर रहते हैं और विभिन्न रूपों में इसका उपयोग करते हैं



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भूमि आधार है



1. प्राकृतिक वनस्पति ✓
2. वन्य जीवन ✓
3. मानव जीवन ✓
4. आर्थिक क्रियाएँ ✓
5. परिवहन व्यवस्था ✓
6. संचार व्यवस्था ✓

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- भूमि एक सीमित संसाधन है।
- इसलिए, उपलब्ध भूमि का उपयोग सावधानी और योजनाबद्ध तरीके से होना चाहिए।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



भूमि का वितरण



मैदान-43%



पर्वत-30%

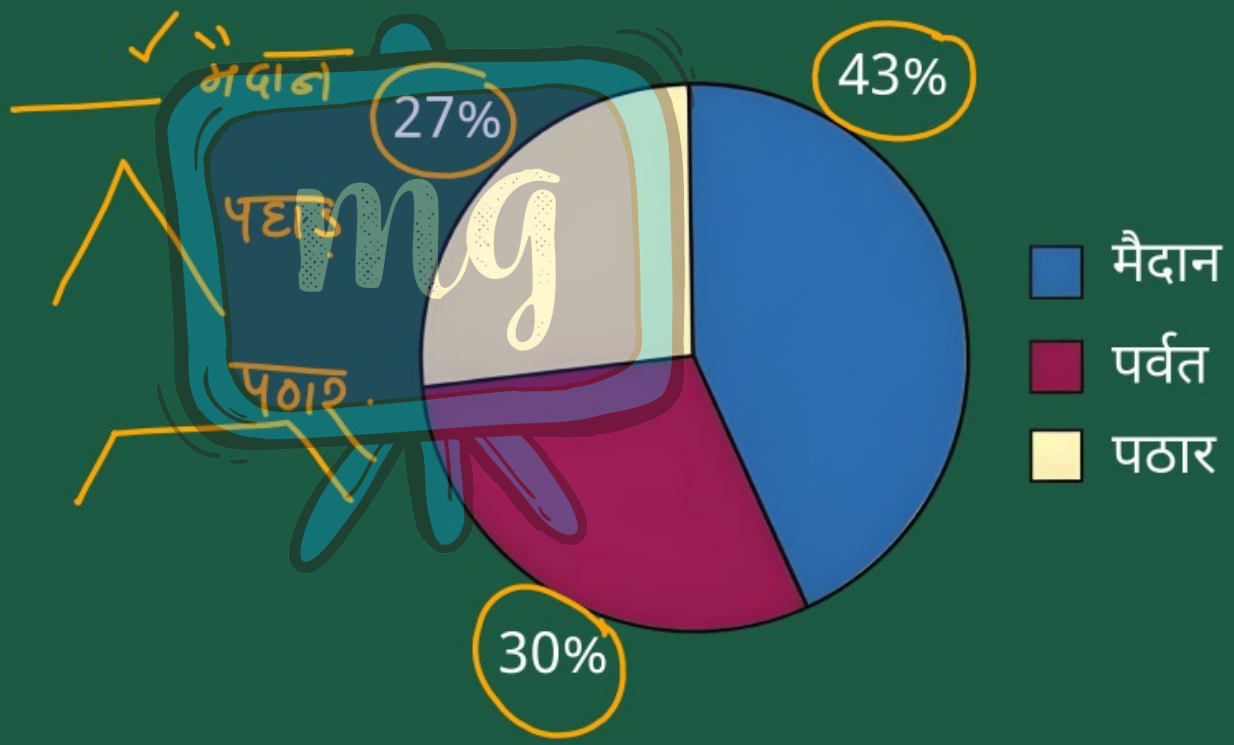


पठार-27%

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

भूमि का वितरण



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

मैदान

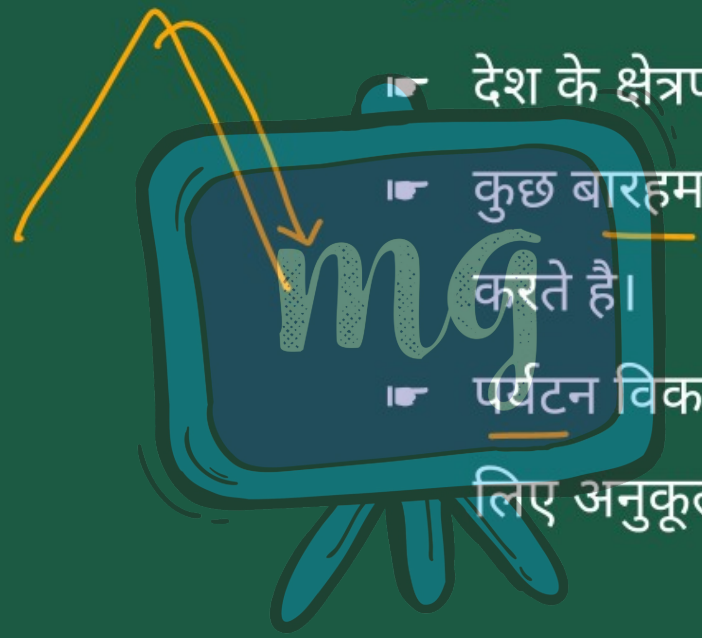
- देश के क्षेत्रफल का लगभग 43%
- कृषि, उद्योग आदि के विकास के लिए सुविधाजनक।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

पर्वत



- देश के क्षेत्रफल का लगभग 30%
- कुछ बारहमासी नदियों के प्रवाह को सुनिश्चित करते है।
- पर्यटन विकास, पारिस्थितिकीय पहलू आदि के लिए अनुकूलताएं प्रदान करता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पठार

- देश के क्षेत्रफल का लगभग 27%
- खनिज, जीवाश्म ईंधन और वनों का अपार संचय कोष।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

भू-उपयोग

1. वन



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. कृषि के लिए अनुपलब्ध भूमि

☛ बंजर तथा कृषि अयोग्य भूमि



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ गैर-कृषि प्रयोजनों में लगाई गई भूमि



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. अन्य कृषि अयोग्य भूमि

☛ चरागाह भूमि



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ विविध वृक्षों के अधीन भूमि



☛ कृषि योग्य बंजर भूमि



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. परती भूमि

☛ वर्तमान परती भूमि



एक वर्ष या उससे कम समय से खेती न की गई हो

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ वर्तमान परती भूमि के अतिरिक्त अन्य परती भूमि



1-5 वर्ष से खेती न की गई हो

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5. शुद्ध (निवल) बोया गया क्षेत्र

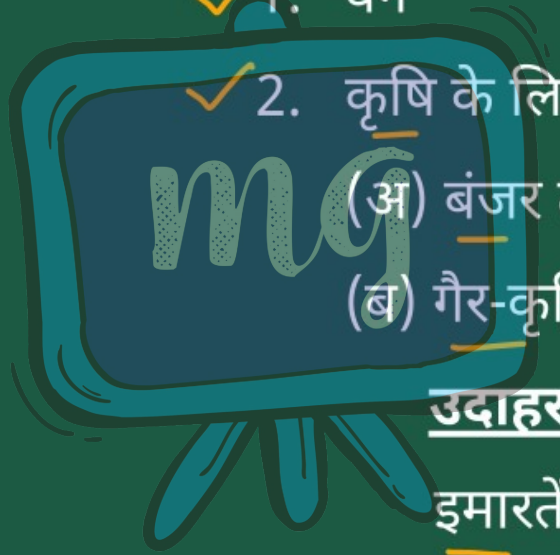


भूमि जिस पर फसलें उगाई व काटी जाती है

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

भू-उपयोग



1. वन
2. कृषि के लिए अनुपलब्ध भूमि
   (अ) बंजर तथा कृषि अयोग्य भूमि
   (ब) गैर-कृषि प्रयोजनों में लगाई गई भूमि

उदाहरण

इमारतें, सड़क आदि

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3. अन्य कृषि अयोग्य भूमि (परती भूमि के अतिरिक्त)

(अ) स्थायी चरागाहें तथा गोचर भूमि

(ब) विविध वृक्षों के अधीन भूमि (जो शुद्ध बोए गए क्षेत्र में शामिल नहीं है)

(स) कृषि योग्य बंजर भूमि (जहाँ 5 से अधिक वर्षों से खेती न की गई हो)

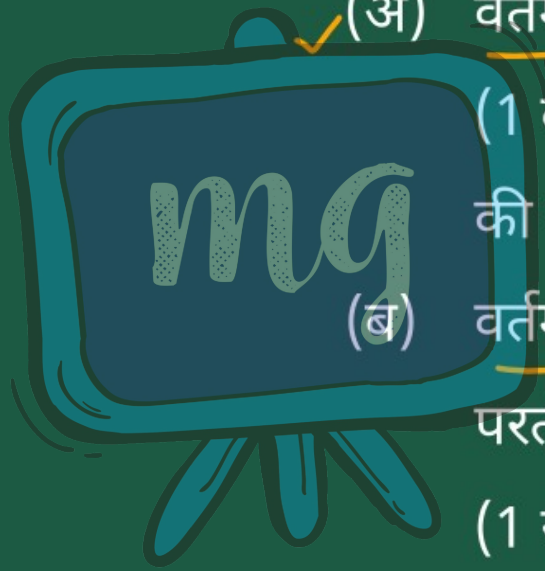
Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4. परती भूमि

(अ) वर्तमान परती (1 वर्ष या उससे कम समय से खेती न की गई हो)

(ब) वर्तमान परती भूमि के अतिरिक्त अन्य परती भूमि (पुरातन परती) (1 से 5 वर्ष से खेती न की गई हो)



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

5. शुद्ध (निवल) बोया गया क्षेत्र

भूमि जिस पर फसलें उगाई व काटी जाती है



सकल कृषित क्षेत्र

वर्ष में कम से कम एक बार बोया गया भूमि क्षेत्र

+

वर्ष में 1 से अधिक बार बोया गया भूमि क्षेत्र

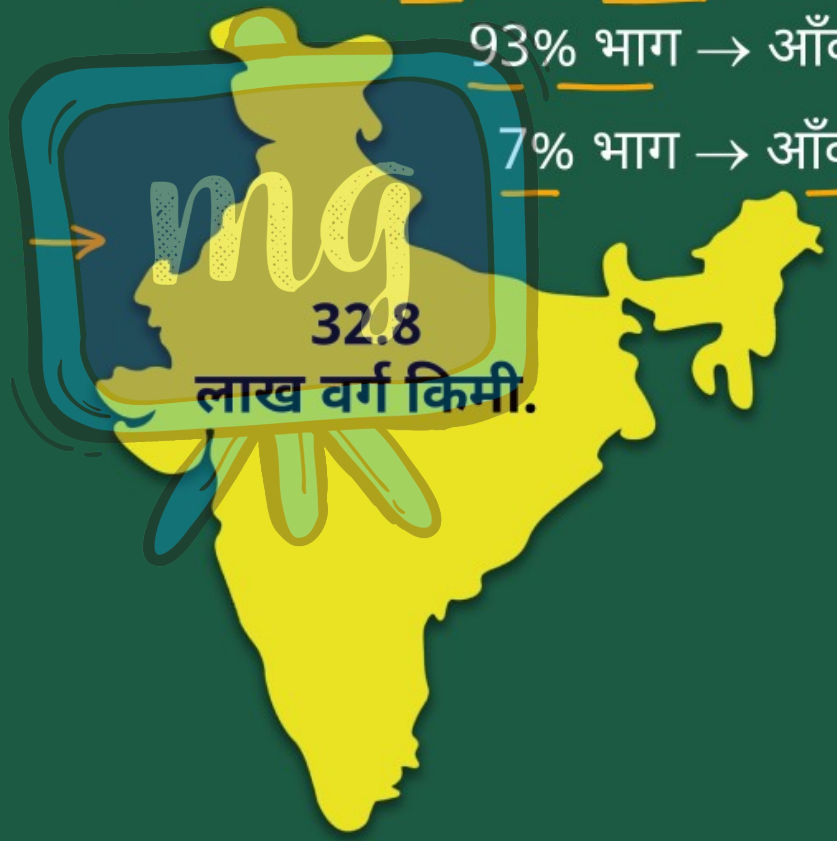
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत में भू-उपयोग प्रारूप

93% भाग → आँकड़े उपलब्ध

7% भाग → आँकड़े उपलब्ध नहीं



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

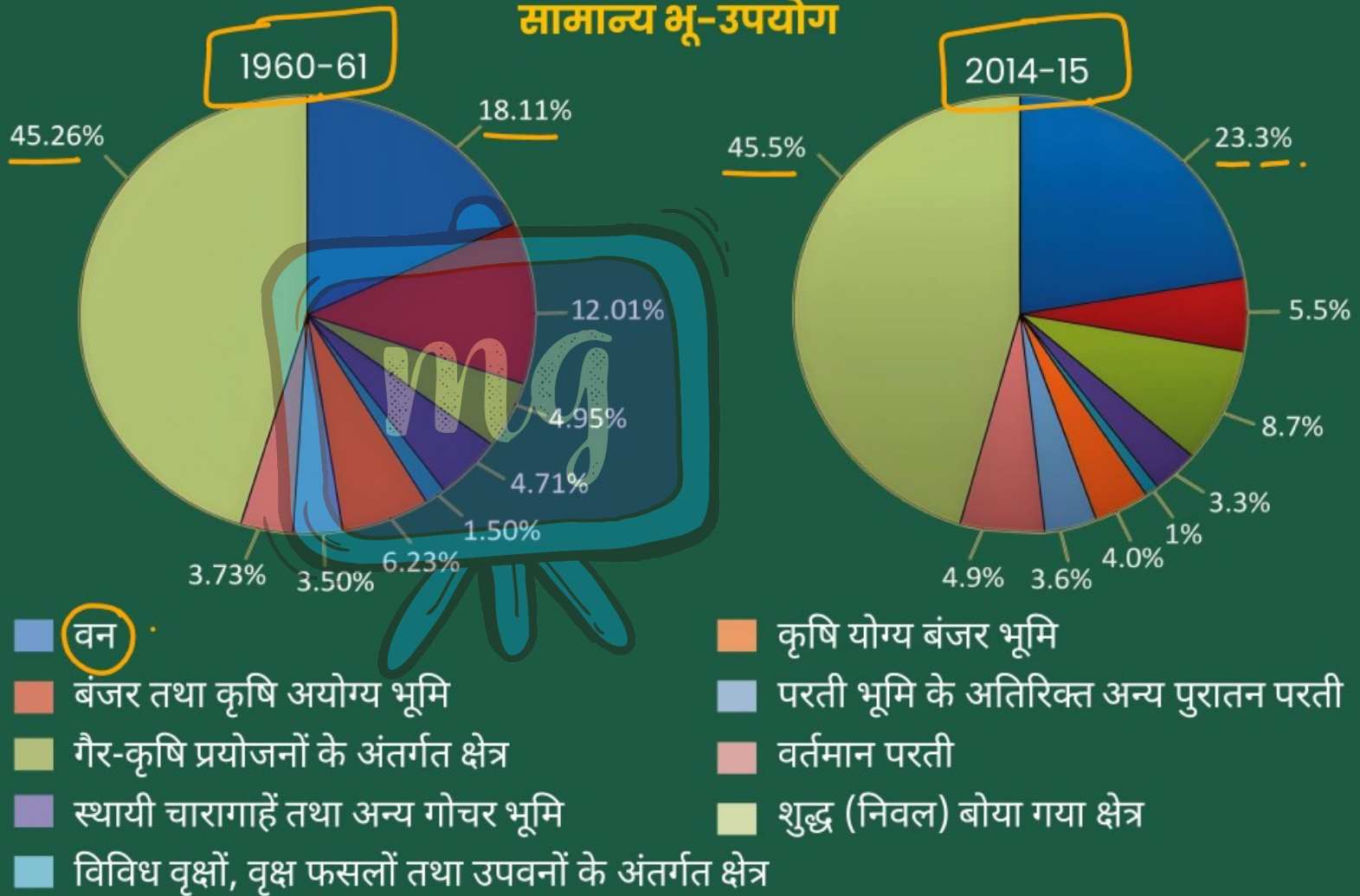
कारण

- पूर्वोत्तर प्रांतों (असम को छोड़कर) के सूचित क्षेत्र के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं
- जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान और चीन अधिकृत क्षेत्रों के भूमि उपयोग का सर्वेक्षण भी नहीं हुआ

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

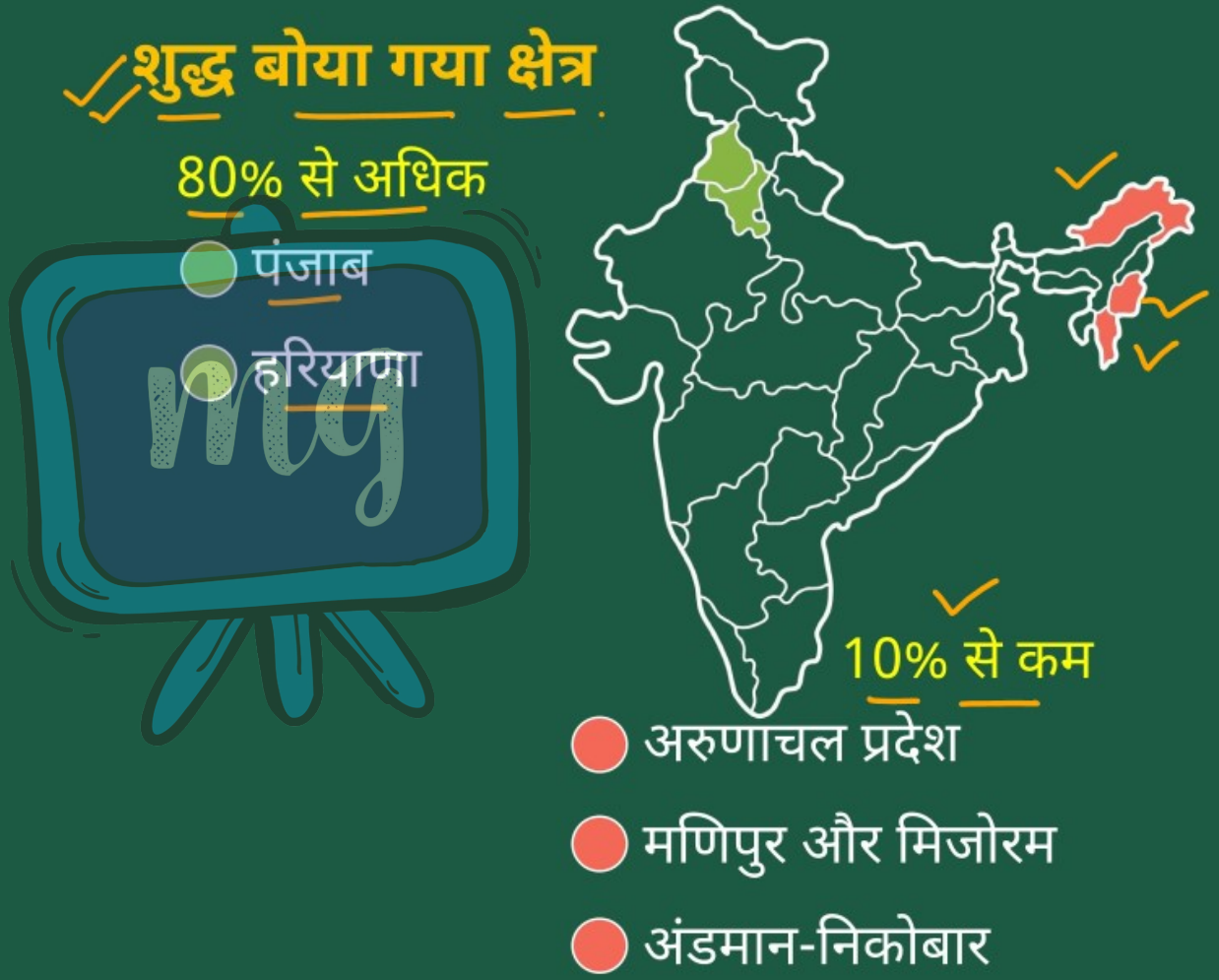
सामान्य भू-उपयोग



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

शुद्ध बोया गया क्षेत्र



80% से अधिक

- पंजाब
- हरियाणा

10% से कम

- अरुणाचल प्रदेश
- मणिपुर और मिजोरम
- अंडमान-निकोबार

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

शुद्ध (निवल) बोये गए क्षेत्र का प्रतिशत विभिन्न राज्यों में अलग-अलग है।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ भू-उपयोग को निर्धारित करने वाले तत्त्व: -

1. भौतिक कारक

(भू-आकृति, जलवायु, मृदा का प्रकार)

2. मानवीय कारक

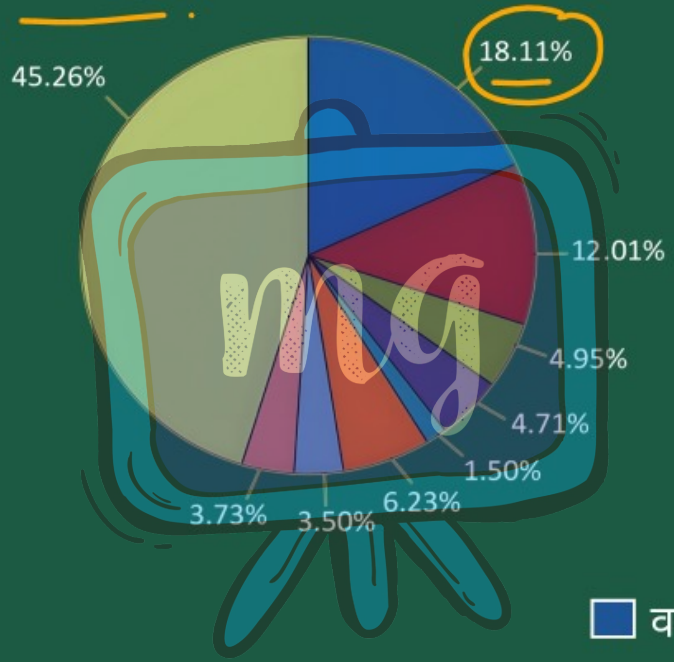
(जनसंख्या घनत्व, प्रौद्योगिकी, संस्कृति)

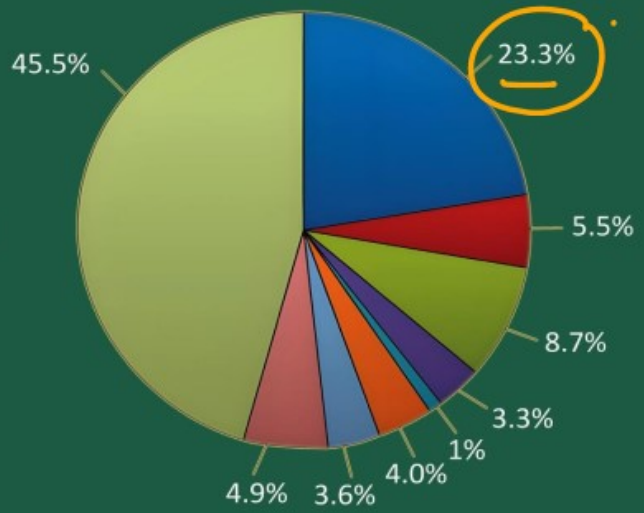


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वन क्षेत्र





वन

1960-61 → 18.11%

2014-15 → 23.3%

वन-क्षेत्र समय के साथ बढ़ा है

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

राष्ट्रीय वन नीति

- वन क्षेत्र: - 33%
- कारण

1. पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने के लिए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. वन क्षेत्रों के आस पास रहने वाले लाखों लोगों की आजीविका इस पर निर्भर करती है।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

भूमि निम्नीकरण

- ☛ भूमि की गुणवत्ता और उत्पादकता में कमी
- ☛ इसके समाज और पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव होते हैं
- ☛ मानवीय क्रियाओं से: -
  - ✧ भूमि निम्नीकरण हुआ
  - ✧ प्राकृतिक निम्नीकरण को बढ़ावा मिला

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

भूमि निम्नीकरण के कारण

1. वनोन्मूलन
2. अति पशुचारण
3. खनन
4. अधिक सिंचाई
5. औद्योगिक क्रियाएँ

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1 वनोन्मूलन



- खनन के कारण झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य-प्रदेश और उड़ीसा जैसे राज्यों में वनोन्मूलन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2 अति पशुचारण



- गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र में मुख्य कारण

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3 अधिक सिंचाई



- अधिक सिंचाई → जलाक्रांतता → मृदा में लवणता का बढ़ना
- मुख्यतः पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर-प्रदेश में

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4 औद्योगिक क्रियाएँ





- औद्योगिक अपशिष्ट भूमि और जल प्रदूषण का मुख्य स्रोत है
- औद्योगिक धूल मृदा की जल सोखने की प्रक्रिया को रोकती है

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संरक्षण उपाय

1. वनारोपण
2. चरागाहों का उचित प्रबंधन
3. खनन नियंत्रण
4. औद्योगिक अपशिष्ट का परिष्करण के बाद विसर्जन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1 वनारोपण



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2 चरागाहों का उचित प्रबंधन



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3 खनन नियंत्रण



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4 औद्योगिक अपशिष्ट का परिष्करण के बाद विसर्जन



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



शुष्क क्षेत्र

- पेड़ों की रक्षक मेखला
- पशुचारण पर नियंत्रण
- रेतीले टीलों का स्थिरीकरण
  (काँटेदार झाड़ियाँ लगाकर)

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

लर्निंग आउटकम्स



भूमि निम्नीकरण के कारण
और
संरक्षण उपाय

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

मूल्यांकन



1 पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भूमि निम्नीकरण का मुख्य कारण है: -

अ खनन

ब वनोन्मूलन

स अत्यधिक सिंचाई

द अति पशुचारण

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

मूल्यांकन



2 निम्नलिखित में से कौन सा भूमि निम्नीकरण को नहीं रोकता है?

अ वनारोपण ✓

ब वनों की कटाई

स अति पशुचारण पर नियंत्रण ✓

द पेड़ों की रक्षक मेखला ✓

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

मूल्यांकन



3 राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार -------- % भूमि वन के अधीन होनी चाहिए।



अ 23

ब 33

स 43

द 53